The Wire Broadcasting Scheme which was started in Kasturbanagar, New Delhi, in May 1958, was extended on 14-1-61 to Lodi Colony and its adjoining areas so as to cover Lodi Colony, (including Aliganj), Kasturbanagar, Karbala and Prem Nagar Colonies of New Delhi.

Since no funds are available for expansion of the scheme during the Third Five Year Plan, it is not con« templated to extend the scheme to other area.3 in Delhi or to other cities as a Central Government Project. However, a proposal for the promotion of the scheme with the help of the State Governments, Railway Administration, Local Bodies etc., is at present under consideration.]

दिल्ली के हायर सेकेन्डरी स्कूलों में टेलीविजन सैट

६. **श्री नवाबसिंह चौहान :** क्या सूचना तथा प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली के सभी हायर सेकेंडरी स्कूलों में टेलीविजन सैट लगाने की जो योजना है वह क्या है ; वह योजना कैसे व कब तक कार्यान्वित हो जायेगी ; और

(ख) क्या इन सैटों को खरीदने के लिये केन्द्रीय सरकार की ओर से कोई सहायता दी जायेगी और यदि दी जायेगी, तो क्या ?

TELEVISION SETS IN DELHI HIGHER SECONDARY SCHOOLS

6. SHRI NAWAB SINGH CHAU-HAN: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) what are the details of the scheme for providing television sets in all the Higher Secondary Schools of Delhi; how it will be implemented and the time by when it will be implemented; and

(b) whether any assistance will be given by the Central Government for purchasing these sets and if so, what assistance will be given?]

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाम नाथ): (क) यह तजवीज है कि २३-१०-१९६१ से आरम्भ होने वाली परियोजना की चार साल की अवधि में दिल्ली के सभी हायर सेकेंडरी स्कूलों में टेलीविजन रिसीविंग सेट लगाये जायें । अब तक ३०२ हायर सेकेंडरी स्कूलों में से १७७ स्कूलों में ३६० टेलीविजन सेट लगाये जा चुके हैं । इनमें से हर स्कूल में हायर सेकेंडरी क्लासों में सेक्शनों की संख्या के आधार पर एक से चार तक टेलीविजन सेट लगाये गये हैं । टेलीविजन सेट लगाने की योजना के पूरी होने में कितना समय लगेगा, यह इस बात पर निर्भर है कि बाकी स्कूलों में कितनी जल्दी ए० सी० बिजली की और दूसरी जरूरी सुविधाएं हो जाती हैं ।

(ख) स्कूलों में ये सेट फोर्ड फाऊन्डेशन द्वारा इस काम के लिये दिये गये अनुदान में से लगाये जा रहे हैं ।

t[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI SHAM NATH): (a) It is proposed to provide all Higher Secondary Schools in Delhi with Television receiving sets durina the four-year period of the project beginning from 23-10-61. So far, 360 TV sets have been provided to 177 out of 302 Higher Secondary Schools. Each of these schools has been supplied with one to four TV sets on the basis of the number of sections in the Higher Secondary classes. The time taken for completion of the scheme of providing TV sets will depend upon how soon the remaining schools equip

t[ ] English translation.

themselves with A. C. electric supply and other necessary facilities.

(b) The sets are being installed in the schools from out of the Ford Foundation's grant for the purpose.]

अव्यावसायिक प्रदर्शन के लिये फिल्मों की बिक्री

७. **श्री नवाबसिंह चौहान :** क्या **सूचना तथा प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि १९६१–६२ में अव्यावसायिक प्रदर्शन के लिये बेची गई फिल्मों से सरकार को कितनी आय हुई और उन पर कितना खर्चा हुआ ?

f[SALE OF FILMS FOR NON-COMMERCIAL EXHIBITION

7. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state the income derived by Government from the films sold in 1961-62 for non-commercial exhibition and the expenditure incurred on them?]

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाम नाथ) : १९६१–६२ में अव्यावसायिक प्रदर्शन के लिए फिल्मों की प्रिंटों की बिक्री से फिल्म विभाग को १५·२९ लाख रुपये की आय हुई । प्रिंटों की तैयारी, पैकिंग और फारवर्डिंग, उत्पादन शुल्क, भाड़ा इत्यादि पर जो व्यय हुआ वह ९·८० लाख रुपये है । इस व्यय में फिल्मों के निर्माण की लागत और प्रबन्ध का खर्च शामिल नहीं हैं ।

t[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OP INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI SHAM NATH) : The revenue earned by the Films Division from the sale of prints of films during 1961-62 for non-commercial exhibition amounted to Rs. 15*29 lakhs. The expenditure incurred on preparation of the prints, packing and forwarding charges, excise duty, freight, etc. amounted to Rs. 9-80 lakhs. This expenditure does not take into account the element of cost of production of the films and over-head charges.]

फिल्म इंस्टीट्यूट के शिक्षार्थियों के लिये काम

८. **श्री नवाबसिंह चौहान :** क्या **सूचना तथा प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने फिल्म इंस्टीट्यूट आफ इण्डिया से पास करके निकले हुए शिक्षार्थियों के लिये काम ढूंढ़ने की कोई योजना बनाई है ;

(ख) यदि हां, तो वह योजना क्या है ; और

(ग) यदि उपरोक्त भाग (क) का उत्तर 'ना' हो तो इसका क्या कारण हैं ?

t [EMPLOYMENT AVENUES FOR FILM INSTITUTE TRAINEES

8. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government have formulated any scheme for finding employment avenues for the trainees who have passed out of the Film Institute of India;

Ob) if so, what is that scheme; and

(c) if the answer to part (a) above be in the negative, what is the reason therefor?]

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाम नाथ) : (क) से (ग) क्योंकि डाक्यूमेंटरी और न्यूजरील को

t[ ] English translation.